>

Title: Need to investigate into the increasing number of cases of missing children in the country.

श्री मनसुखभाई डी. वसावा (भरूच): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे शून्य काल के दौरान इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करने की अनुमति दी, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यह विषय सामयिक एवं जनहित में है। देश में बच्चों के गुम होने की घटनाएं दिन-प्रतिदिन बढ़ रही हैं। कई सूचनाओं के अनुसार देश में हर घंटे एक बच्चा गुम हो रहा है। दिल्ली में रोजाना सात बच्चे गायब हो रहे हैं। एक बच्चे के गायब होने के बाद उस परिवार की स्थिति बहुत खराब हो जाती है। जो लोग बाहर से रोजगार के लिए दिल्ली आते हैं या अन्य शहरों में जाते हैं, उनके बच्चों के गुम होने की संख्या ज्यादा होती है। मुझे खेदपूर्वक सदन को सूचित करना पड़ रहा है कि गायब बच्चों की बरामदी दर आधे से भी कम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 921 गुम हुए बच्चों में से केवल 315 बच्चों का पता ही सरकार चला पायी है। पिछले साल गुम हुए 500 बच्चों का कुछ पता नहीं चला। ये बच्चे किसी षडयंत्र का शिकार हो सकते हैं, शरीर के अंग निकालने वाले अपराधियों या गुमराह करने वाले शिकारियों के शिकार हो सकते हैं। पुलिस की भूमिका इस संबंध में बड़ी ही निराशाजनक है। बच्चा गायब होने के एक साल बाद अखबारों में सूचना दी जाती है। इस संबंध में पुलिस भी कोई समन्वय कार्य संतोषजनक नहीं कर पाती है। इससे पुलिस के कार्यों पर गंभीर प्रश्नचिह्न उठ सकते हैं। न्यायालयों के माध्यम से भी पुलिस को कई बार फटकार भी मिल चुकी है। न्यायालय ने एक विशेष दल का गठन करने का भी निर्देश दिया है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि बच्चों के गुम होने की घटनाओं की सघनता से जांच की जाये और इस संबंध में समन्वयकारी कार्यों की समीक्षा की जाये

MR. DEPUTY SPEAKER: The following Members may be allowed to associate themselves with the submission made by Shri Mansukhbhai D Vasava:

Shri C.R.Patil,

Devji M Patel,

Shrimati Jyoti Dhurve and

Shri Shivkumar Udasi